17. **मुख्य परीक्षा :–**

मुख्य परीक्षा के लिए तीन पत्र होंगे। यह परीक्षा तीन पालियों में ली जायेगी। प्रत्येक पत्र के परीक्षा की अवधि 2 घंटा की होगी। इसमें निम्न विषय रहेंगेः–

17.1 **पत्र – 1 (भाषा ज्ञान) : कुल प्रश्न – 120, परीक्षा अवधि – 2 घंटा**

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान	–	80 प्रश्न
(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान	–	40 प्रश्न

भाषा ज्ञान में प्राप्त अंक मात्र अर्हक (Qualifying) होगा, जिसमें उत्तीर्ण होने के लिए हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा ज्ञान में प्राप्त अंको को जोड़ कर 30% अंक प्राप्त करना निर्धारित रहेगा। इस पत्र में प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा।

17.2 **पत्र – 2**

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा ज्ञान, कुल प्रश्न–100, परीक्षा अवधि– 2 घंटा

उर्दू/संथाली/बंगला/मुण्डारी (मुण्डा)/ हो/ खड़िया/ कुडूख (उरांव)/ कुरमाली/ खोरठा/ नागपुरी/पंचपरगनिया/उड़िया में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के 100 बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे।

चिन्हित क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

17.3 **पत्र– 3**

सामान्य ज्ञान, कुल प्रश्न–120, परीक्षा अवधि– 2 घंटा

(क) सामान्य अध्ययन	–	40 प्रश्न
(ख) झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान	–	50 प्रश्न
(ग) सामान्य गणित	–	10 प्रश्न
(घ) सामान्य विज्ञान	–	20 प्रश्न

सामान्य ज्ञान परीक्षा में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

टिप्पणीः– पत्र–1 (भाषा ज्ञान) की परीक्षा में न्यूनतम अर्हतांक 30% (तीस प्रतिशत) है। इससे कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए चयन हेतु असफल/अयोग्य माने जायेंगे तथा ऐसे अभ्यर्थियों के पत्र–2 एवं पत्र–3 का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा। इसी तरह चिन्हित क्षेत्रीय/जनजातीय भाषा प्रश्न पत्र–2 में 30 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के प्रश्न पत्र–3 का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

https://www.freshersnow.com/ssc-recruitment/ https://www.freshersnow.com/syllabus/

मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम

पत्र – 1 (भाषा ज्ञान)

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान :–

(i) हिन्दी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न – 20 प्रश्न

(ii) हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न – 60 प्रश्न

इस विषय में हिन्दी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान :–

(i) अंग्रेजी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न – 20 प्रश्न

(ii) अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न – 20 प्रश्न

इस विषय में अंग्रेजी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

पत्र – 2 (क्षेत्रीय भाषा)

उर्दू/संथाली/बंगला/मुण्डारी (मुण्डा)/ हो/ खड़िया/ कुडूख (उरांव)/ कुरमाली/ खोरठा/ नागपुरी/पंचपरगनिया/उड़िया में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के 100 बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे।

Urdu

1. Prose
i. Qaumi Hamdari - Hali
ii. Guzra Howa Zamana - Sir Syed Ahmed Khan
iii. Achhi kitab - Molvi Abdul Haque

2. Poems
i. Tarana-e-Hind - Iqbal
ii. O Desh se Aanewale Bata - Akhtar Sheerani
iii. Nagma-e-Sahar - Josh Malihabadi
iv. Barkha Rut aur Pardes - Hali.

3. Grammar
i. Opposite
ii. Gender
iii. Singular
iv. Plural
v. Meanings.

संथाली

1. **व्याकरण** – संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, समान शब्द अर्थ अनेक, विलोम शब्द, प्रत्यय, वाक्य शुद्धिकरण।
2. **शिष्ट साहित्य** – संताली–साहित्य पुस्तक के सभी पाठांश (कहानी, गीत, कविता)
3. **लोक साहित्य** –
   - (क) आगिल हापड़ाम कोवा; काथा,
   - (ख) आगिल हापड़ाम कोवा सेरेञ–एनेच्–बाहा, डाहार, सोहराय, काराम, दाँसाँय।
   - (ग) माहात्मा गाँधी जियोन चरित।
   - (घ) सिदो कानहू और तिलका माँझी जीवन एवं आंदोलन
   - (ड़) संताली साहित्यकार एवं कृत्ति
   - (च) संताली साहित्य का परिचय

Bengali

1. Novel, Drama, Poetry

(A) Ramer Sumati- Sharatachandra

(B) Mukut-Rabindranath Thakur

(C) Shishu Kabyo (Selected)- Rabindranath Thakur

(i) Manjhi, (ii) Pujar Saj

(iii) Sukhdukkha (iv) kagajer Nouka

(D) Kabyo Sanchayan- Sahyendranath Dutta

(i) Mati (ii) Jharna

(iii) palkirgan (iv) Sagar Tarpan

2. Grammar- Bisheshya, Bisheshan, Sarbanam, Kirya, Linga, Bachan
3. Essay
4. Letter writing

मुण्डारी (मुण्डा)

1. **व्याकरण** – संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग पुरूष, समान शब्द अर्थ अनेक, विलोम शब्द, प्रत्यय, वाक्य शुद्धिकरण।
2. **शिष्ट साहित्य** – मुण्डारी साहित्य पुस्तक के सभी पाठांश–कहानी, गीत कविता।
3. **लोक साहित्य** – मुण्डारी लोक गीतों (बा, करम, जरगा, जतरा, जपि, अड़ान्दि)

हो

1. **व्याकरण :–** संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, काल, क्रिया, विशेषण, वचन, लिंग, पुरूष, पर्यायवाची शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, विलोम शब्द, कहावत, मुहावरे, पहेली काल आदि।

2. साहित्यः

   (i) **गद्य संग्रहः–** मगे मुनु जगर, मादेड़ साड़े, लको बोदरा, बले बुरू रेयः काअनि, रितुइ गोन्डाई, लाङ ओए चिल्काते बोंडोलेयना।

   (ii) **पद्य संग्रहः–** गुलाब बड़ा, दिषुम, अबुअः भारत दिसुम, अम्बुल, जोनोम दिसुम, सिंगि।

खड़िया

1. **व्याकरण :–** संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, अनेकार्थक शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, वाक्य शुद्धिकरण, मुहावरा, बुझवाल, उल्टा शब्द।

2. **शिष्ट साहित्य** :– खड़िया पाठ्य पुस्तक के सभी पाठांश (कहानी, गीत, कविता आदि)

3. **लोक साहित्य** :–

   (i) खड़िया कहानी (लोककथा)

   (ii) खड़िया गीत–पर'ब–तिहा, बिहा (केरसोड.), मुरड', कसासिड.।

   (iii) खड़िया साहित्यकार–जुलियस बा', प्यारा केरकेट्टा, जोवाकिम डुँगडुँग, पौलुस कुल्लू।

   (iv) **निबंध** – शहीद तेलेंग खड़िया, खड़िया महासभा, बंदोई, जाड, कोर, करम, मदेइत, जनम परब।

कुडुख़ (उरांव)

1. **व्याकरण** – संज्ञा, सर्वनाम, विषेषण, क्रिया विषेषण, लिंग, वचन, पुरूष, पर्यायवाची शब्द, विपरीतार्थक शब्दों के बदले एक शब्द, कहावत, मुहावरे, पहेली, काल आदि।

(क) **शिष्ट साहित्य** – कुडुख़ साहित्य पुस्तक के सभी पाठांश (कहानी, उपन्यास, नाटक, गीत, कविता)

2. **लोक साहित्य** –

   (क) लोक कथा

   (ख) लोक गीत

   (ग) मुहावरे

   (घ) कहावतें

   (ङ) पहेली

कुरमाली

1. **व्याकरण** : संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, भिन्नार्थक शब्द, विलोम शब्द, प्रत्यय, वाक्य – शुद्धिकरण।
2. **शिष्ट साहित्य** : कुरमाली – साहित्य के सभी पाठांश (कहानी, गीत, कविता)
3. **लोक साहित्य** : कुरमाली लोकथा
    - लोकगीत – करम, बिहागीत, डमकच, बांदना (सोहराई)
    - झारखण्ड के स्वतंत्रता सेनानी
    - कुरमाली साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ
    - कुरमाली साहित्य का सामान्य परिचय

खोरठा

1. **गद्य भागः**– कहानी, एकांकी, नाटक, लघु उपन्यास

(क) खोरठा गद्य– पद्य संग्रह– प्रकाशक खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद बोकारो।

(ख) दू डाइर जिरहुल फूल

2. **व्याकरणः**– संज्ञा, सर्वनाम, कारक, लिंग निर्णय, मुहावरा, कहावत।

सहायक पुस्तकेंः–

(क) खोरठा सहित सदानिक व्याकरण – लेखक ए॰ के॰ झा

(ख) खोरठा व्याकरण – लेखक वासुदेव महतो

3. **निबंधः**– समसामयिक विषय पर

सहायक ग्रन्थ – खोरठा निबंध संग्रह

सम्पादक मंडल – कुमारी शशि, डॉ॰ विनोद कुमार, डॉ॰ बी॰ एन॰ ओहदार

खोरठा निबंध– लेखक डॉ॰ बी॰ एन॰ ओहदार

नागपुरी

1. **नागपुरी व्याकरण से**– वर्ण, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, विशेषण, क्रियाविशेषण, कारक, काल धातु, क्रिया, अव्वय, विपरीतार्थक शब्द, अनेकार्थक शब्द उपसर्ग–प्रत्यय, समास अनेक शब्दों के बदले एक शब्द, वाक्य शुद्धि।
2. **नागपुरी शिष्ट साहित्य से** – मंजर– भाग–2 से– शकुंतला मिश्र, डॉ॰ उमेशनन्द तिवारी
3. **नागपुरी लोक सहित्य से** – लोक गीत, लोक कथा, कहावत, पहेली, मुहावरे

पंच परगनिया

1. **व्याकरण** :— संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, समान शब्द अर्थ अनेक, उल्टा शब्द, प्रत्यय, वाक्य शुद्धिकरण, विशिष्ट शब्द, पत्र लेखन आदि।
2. **शिष्ट साहित्यः**— पंचपरगनिया साहित्य पुस्तक के सभी पाठांश (कहानी, गीत, कविता आदि)
3. **लोक साहित्य**—

(i) मारांग बुरू,

(ii) पूजा थान (देवस्थल)

(iii) करम गीत, सँहरइ गीत, बिहा गीत, पुसगीत, मंतर गीत।

(iv) बिरसा मुण्डा, स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़े लोग

(v) पंचपरगनिया साहित्यकार एवं उनकी कृति

(vi) पंचपरगनिया साहित्य का परिचय

उड़िया

1. गद्य विभाग

(A) **साहित्य – 2007 (OBSE)**

- दुनियार हालचाल – गोपाल चन्द्र प्रहराज
- नारद स्तुति – डा॰ सदाशिव मिश्र
- जातिय स्त्रोतरे वुद्विजीवी मानंक स्थान – डा॰ वैद्यनाथ मिश्र
- स्वाधीन जातिर नूतन मूल्यवोध – डा॰ गोलक विहारी घल

(B) **आम साहित्य – 2007 (OBSE)**

- उच्चाभिलाष – शशिभूषण राय
- सेहि स्मरणीय दिवस – डा॰ हरेकृष्ण महताव
- विद्या ओ विधार्थी – चित्तरंजन दास

2. पद्य विभाग

(A) **साहित्य – 2007 (OBSE)**

- उत्कल संतन – मधुसूदन दास
- नदी प्रति – मधुसूदन राउ
- धउली पाहाड़ – पदमचरण पट्टनायक
- आगामी – कालिन्दीचरण पाणिग्राही
- बापुजी – डा॰ मायाधर मानसिंह

(B) आम साहित्य – 2007 (OBSE)

- युधिष्ठिरंक धर्म परीक्षा – शरला दास
- रामचरित – उपेन्द्र भंज
- छांट पुणि एडे से विराट – सच्ची राउतराय
- ग्रामपथ – विनोद चंद्र नायक

3. <u>उड़िया साहित्यर इतिहास</u>

- उड़िया साहित्यर आदि पर्व – सुरेन्द्र मंहान्ती
- उड़िया साहित्यर इतिहास मध्य पूर्व – सुरेन्द्र मंहान्ती
- उड़िया साहित्यर इतिहास – डा॰ मायाधर मानसिंह
- उड़िया साहित्यर संक्षिप्त इतिहास – डा॰ वृंदावन आचार्य

4. <u>काव्य ओ कविता</u>

- श्रीमद् भागवत (एकादश स्कन्द) – जगन्नाथ दास
- तपस्विनी – गंगाधर मेहर
- कारा कविता – गोपवन्धु दास

5. <u>उपन्यास</u>

- छ' माण आठगुण्ठ – फकीर मोहन सेनापति
- माटिर मणीष – कालिन्दी चरण पाणीग्रही

6. <u>गल्प</u>

- गल्प श्वल्प (प्रथम भाग) – फकीर मोहन सेनापति
- आजिर गल्प संकलन – निमाइ चरण पटनायक

(डिमिरी फुल , मागुणीर शगड, शिकार)

7. <u>नाटक</u>

- कोणार्क – अश्विनी कुमार घोष
- घर संसार – रामचन्द्र मिश्र

8. <u>व्याकरण</u>

लिग, वचन, पुरूष, विभक्ति, अव्वय, क्रिया, संधि, समास, रूढ़ि प्रयोग, विपरीतार्थक शब्द, कुदन्त, तद्धित।

<u>पत्र –3 (सामान्य ज्ञान)</u>

(क) सामान्य अध्ययनः–

इसमें प्रश्नों का उद्देश्य अभ्यर्थी के आस–पास के वातावरण की सामान्य जानकारी तथा समाज में उनके अनुप्रयोग के संबंध में उसकी योग्यता की जाँच करना होगा। वर्तमान घटनाओं और दिन–प्रतिदिन की घटनाओं के सूक्ष्म अवलोकन तथा उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे मामलों की जानकारी जैसा कि किसी भी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है।

इसमें भारत देश एवं झारखण्ड राज्य के संबंध में विशेष रूप से यथासंभव प्रश्न पूछे जा सकते हैं। सम–सामयिक विषय – राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पुरस्कार, भारतीय भाषाएँ, पुस्तक, लिपि, राजधानी, मुद्रा, खेल–खिलाड़ी, महत्त्वपूर्ण घटनाएँ। भारत का इतिहास, संस्कृति, भूगोल, पर्यावरण, स्वतंत्रता आंदोलन, भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक संसाधनों की प्रमुख विशेषताएँ एवं भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, पंचायती राज, सामुदायिक विकास, झारखण्ड राज्य की सामान्य जानकारी।

(ख) **झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान** :– झारखण्ड राज्य के भूगोल, इतिहास, सभ्यता संस्कृति, भाषा–साहित्य, स्थान, खान खनिज, उद्योग, राष्ट्रीय आंदोलन में झारखण्ड का योगदान, विकास योजनाएँ, खेल–खिलाड़ी इत्यादि।

(ग) **सामान्य गणित** :– इस विषय में सामान्यतः अंक गणित से सम्बन्धित प्रश्न रहेंगे। सामान्यतः इसमें मैट्रिक/10वीं कक्षा स्तर के प्रश्न रहेंगे।

(घ) **सामान्य विज्ञान** :–

सामान्य विज्ञान के प्रश्न में दिन–प्रतिदिन के अवलोकन एवं अनुभव पर आधारित विज्ञान की सामान्य समझ एवं परिबोध से संबंधित विषय रहेंगें, जैसा कि एक सुशिक्षित व्यक्ति से, जिसने किसी विज्ञान विषय का विशेष अध्ययन नहीं किया हो, अपेक्षित है।

18. मुख्य परीक्षा के आधार पर मेधा सूची का निर्माण :

(i) आयोग द्वारा आयोजित मुख्य परीक्षा के उपरांत प्रश्न पत्र 2 एवं 3 के विषयों के प्राप्तांक/Normalised प्राप्तांक के योगफल के आधार पर सामान्य मेधा–सूची (Common Merit List) तैयार की जायेगी और **मेधा–सह–विकल्प (Merit-cum-Option)** के आधार पर कोटिवार रिक्त पदों की संख्या के अनुसार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।

(ii) मेधा–सूची में एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक समान (Equal Marks) रहने पर मेधा का निर्धारण उम्मीदवारों की जन्म तिथि के आधार पर किया जायेगा तथा अभ्यर्थी, जिनकी उम्र ज्यादा होगी, उन्हे अपेक्षाकृत ऊपर स्थान मिलेगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक और जन्म तिथि समान पायी जाती है, तो ऐसी स्थिति में उनके मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा में प्राप्त अकों के आधार पर मेधा का निर्धारण किया जायेगा, अर्थात मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को मेधाक्रम में ऊपर रखा जायेगा।

(iii) मेधा के आधार पर अनारक्षित पद के लिये तैयार मेधा सूची में समान मापदंड पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी के आने की स्थिति में उक्त अभ्यर्थी की गणना अनारक्षित वर्ग के अनुमान्य पदों के विरूद्ध की जायेगी और उनके नाम के सामने उनका आरक्षण वर्ग भी वही होगा। इस सम्बन्ध में राज्य सरकार से प्राप्त अद्यतन निर्देशों का पालन किया जायेगा।

https://www.freshersnow.com/ssc-recruitment/ https://www.freshersnow.com/syllabus/